भारतीय ज्ञान प्रणाली को समझना जरूरी : कुलपति

पीटीयू की सहभागिता से करवाया गया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जागरण संवाददाता, कपूरथला: इंद्र कुमार गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी एवं महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बद्दी तथा बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी रोहतक, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से करवाए गए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय ज्ञान प्रणाली : गौरवशाली अतीत से उज्ज्वल भविष्य तक" का समापन हो गया। इस दौरान छह समानांतर तकनीकी सत्रों में बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिससे प्रबंधन, बुनियादी विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी, कानून, फार्मेसी, सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित सम्मेलन के विषयों पर बौद्धिक विचार तथा जुड़ाव हुआ।

प्रो. (डा.) सुशील मित्तल, कुलपति आइकेजी पीटीयू ने मुख्य अतिथि के रूप में समापन सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. पीएस वालिया, डीन अकादमिक, एमएयू ने स्वागत भाषण दिया एवं डा. आशिमा मित्तल, फैकल्टी, एमएयू ने विभिन्न तकनीकी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. (डा.) आरके गुप्ता, कुलपति, एमएयू और प्रो. (डा.) एचएल वर्मा, कुलपति (बीएमयू) ने शोध विद्वानों और पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को उनकी प्रस्तुतियों के लिए बधाई दी। प्रो. (डा.) सुशील मित्तल और रजिस्ट्रार डा. एसके मिश्रा ने इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए तीनों विश्वविद्यालयों को बधाई दी। प्रो. मित्तल ने कहा कि प्रो. (डा.) आरके

आईके गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से करवाए गए सम्मेलन में कुलपति डा. सुशील मित्तल को सम्मानित करते हुए● सौ. पीटीयू

गुप्ता के पास इस सम्मेलन के आयोजन के लिए पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के तीन विश्वविद्यालयों को एक साथ लाने का अनूठा विजन था और तीनों विश्वविद्यालयों की आयोजन टीमों के अथक प्रयासों से यह सम्मेलन एक बड़ी सफलता रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एक विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उन्हें लगता है कि इस सम्मेलन में चर्चा और प्रकाशन समाज की सेवा है।

प्रो. मित्तल ने उन सभी शोधकर्ताओं को बधाई दी, जिनके शोधपत्र संपादित पुस्तकों में प्रकाशित हुए हैं और उन्होंने शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों को अपने शोध निष्कर्षों को अपने कक्षा शिक्षण में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया, लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में किया जा सके। संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं को पांच श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रो. (डा.) गौरव भार्गव, डीन फैकल्टी वेलफेयर और डा. राजीव बेदी, एसोसिएट डीन आरएंडडी को उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डा. सवीना बंसल प्रो. एमआरएसपीटीयू, डा. परवीन बंसल पूर्व निदेशक बीएफयूएचएस फरीदकोट, डा. सुशील कंसल प्रो. यूआइसीईटी पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ और डा. मंदीप कौर, सहायक प्रोफेसर प्रबंधन, आइकेजीपीटीयू को सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रबंधन अध्ययन विभाग की डा. मनदीप कौर, उपासना सेठ और आदिश कुमार तथा आइकेजीपीटीयू के रिसर्च स्कालर फार्मेसी साहिल चौधरी को युवा शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डा. मेघा गोयल के शोध पत्र को बेसिक और एप्लाइड साइंसेज में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार तथा नैना, आदिश और डा. कपिल गुप्ता के शोध पत्र को प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पीटीयू से मिलकर काम करेगी वाधवानी फाउंडेशन की टीम

जागरण संवाददाता, कपूरथला: उद्यमिता एवं कौशल विकास में वैश्विक स्तर पर काम कर रही वाधवानी फाउंडेशन की टीम ने आइके गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में दस्तक दी है। वाधवानी फाउंडेशन की टीम विभिन्न स्तर के प्रस्तावों के साथ यूनिवर्सिटी पहुंची एवं कुलपति प्रो. (डा.) सुशील मित्तल के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों के हेड से अपने प्रस्ताव साझा किए। यह सभी प्रस्ताव भविष्य में आइकेजी गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को उद्यमशीलता में आगे बढ़ने को नए-नए आइडियाज देने में तो कारगर सिद्ध होंगे ही, साथ ही साथ फैकल्टी को भी नवीन दौर में निपुण बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे। कुलपति प्रो. (डा.) सुशील मित्तल एवं उच्च अधिकारियों ने सहमति बनाई है।

फाउंडेशन की तरफ से दयाकर मूर्ति, निदेशक पार्टनरशिप, वाधवानी फाउंडेशन ने नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक स्तर पर काम करती है। यह उद्यमिता एवं कौशल विकास में व्यापक पहलों के माध्यम से रोजगार सृजन को बढ़ावा देती है। यह संगठन व्यावसायिक सफलता और व्यापक सामाजिक प्रभाव प्राप्त करने के लिए सरकारी सेवाओं को डिजिटल बनाने और शैक्षणिक नवाचारों को आगे बढ़ाने पर भी काम करती है। फाउंडेशन की तरफ से यूनिवर्सिटी को 12 ताड्यूल पर 14 सप्ताह के एगनिटेक्स प्रोग्राम का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें लिखा है कि यह प्रोग्राम कल के इनोवेटर्स, लीडर्स और चेंजमेकर्स के लिए एक लान्चपैड होगा, यह प्रोग्राम उद्यमियों, उद्योग जगत के लीडर्स एवं शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया। उद्यमी मानसिकता तैयार करने एवं छात्रों को रोजगार व व्यवसाय स्टार्ट-अप के लिए तैयार करने का मिशन है।

पीटीयू में वाधवानी फाउंडेशन की टीम मिल कर काम करने का ऐलान करती हुई● सौ. पीटीयू

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

अकादमिक उत्तमता के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली को समझना बेहद जरूरी : कुलपति डा. सुशील मित्तल

सवेरा न्यूज/कुश चावला

जालंधर, 17 अप्रैल : आई. के. गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी एवं महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बद्दी तथा बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी रोहतक हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ह्लभारतीय ज्ञान प्रणालीः गौरवशाली अतीत से उज्ज्वल भविष्य तकह्व का समापन हो गया है। इस दौरान छह समानांतर तकनीकी सत्रों में बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिससे प्रबंधन, बुनियादी विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी, कानून, फार्मेसी, सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित सम्मेलन के विषयों पर बौद्धिक विचार तथा जुड़ाव हुआ। प्रोफैसर (डॉ.) सुशील मित्तल, कुलपति, आईकेजी पीटीयू ने मुख्य अतिथि के रूप में समापन सत्र की अध्यक्षता की। प्रोफैसर पी. एस. वालिया, डीन अकादमिक, एमएयू ने स्वागत भाषण दिया एवं डॉ. आशिमा मित्तल, फैकल्टी, एमएयू ने विभिन्न तकनीकी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. (डॉ.) आर. के. गुप्ता, कुलपति, एमएयू और प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा, कुलपति (बीएमयू) ने शोध विद्वानों और पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को उनकी प्रस्तुतियों के लिए बधाई दी।

मुख्य अतिथि प्रोफैसर (डॉ.) सुशील मित्तल, कुलपति, आईकेजी पीटीयू को सम्मानित करते हुए प्रो. (डॉ.) आर. के. गुप्ता, कुलपति, एमएयू और प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा, कुलपति (बीएमयू)।

प्रो. (डॉ.) सुशील मित्तल और रजिस्ट्रार डॉ. एसके मिश्रा ने इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए तीनों विश्वविद्यालयों को बधाई दी। प्रो. मित्तल ने कहा कि प्रो. (डॉ.) आर. के. गुप्ता के पास इस सम्मेलन के आयोजन के लिए पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के तीन विश्वविद्यालयों को एक साथ लाने का अनूठा विजन था और तीनों विश्वविद्यालयों की आयोजन टीमों के अथक प्रयासों से यह सम्मेलन एक बड़ी सफलता रही है।

प्रो. (डॉ.) गौरव भार्गव, डीन फैकल्टी वैल्फेयर और डॉ. राजीव बेदी, एसोसिएट डीन (आर एंड डी) को उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. सवीना बंसल, प्रोफैसर, एमआरएसपीटीयू; डॉ. परवीन बंसल, पूर्व निदेशक, बीएफयूएचएस, फरीदकोट; डॉ. सुशील कंसल, प्रोफेसर, यूआईसीईटी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और डॉ. मंदीप कौर, सहायक प्रोफैसर (प्रबंधन), आईकेजीपीटीयू को सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. मनदीप कौर, उपासना सेठ और आदिश कुमार तथा आईकेजीपीटीयू के रिसर्च स्कॉलर (फार्मेसी) साहिल चौधरी को युवा शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. मेघा गोयल के शोध पत्र को बेसिक और एप्लाइड साइंसेज में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा नैना, आदिश और डॉ. कपिल गुप्ता के शोध पत्र को प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पंजाब केसरी
FRI, 18 APRIL 2025
EDITION: KAPURTHALA KESARI, PAGE NO. 2

अकादमिक उत्तमता के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली को समझना बेहद जरूरी : डा. मित्तल

कपूरथला/जालंधर, 17 अप्रैल (महाजन) : आई. के. गुजराल पंजाब टैक्निकल यूनिवर्सिटी एवं महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बद्दी तथा बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी रोहतक हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय ज्ञान प्रणाली: गौरवशाली अतीत से उज्ज्वल भविष्य तक" का समापन हो गया है।

इस दौरान छह समानांतर तकनीकी सत्रों में बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिससे प्रबंधन, बुनियादी विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी, कानून, फार्मेसी, सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित सम्मेलन के विषयों पर बौद्धिक विचार तथा जुड़ाव हुआ। प्रोफेसर (डॉ.) सुशील मित्तल, कुलपति, आई.के.जी. पी.टी.यू. ने मुख्यातिथि के रूप में समापन सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफैसर पी.एस. वालिया, डीन अकादमिक, एमएयू ने स्वागत भाषण दिया एवं डॉ. आशिमा मित्तल, फैकल्टी, एम.ए.यू. ने विभिन्न तकनीकी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. (डॉ.) आर.के. गुप्ता, कुलपति, एमएयू और प्रो. (डॉ.) एच.एल. वर्मा, कुलपति (बी.एम.यू.) ने शोध विद्वानों और पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को उनकी प्रस्तुतियों के लिए बधाई दी।

आई.के.जी. पी.टी.यू. में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह का दृश्य। (चोपड़ा)

प्रो. (डॉ.) सुशील मित्तल और रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. मिश्रा ने इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए तीनों विश्वविद्यालयों को बधाई दी। प्रो. मित्तल ने कहा कि प्रो. (डॉ.) आर.के. गुप्ता के पास इस सम्मेलन के आयोजन के लिए पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के तीन विश्वविद्यालयों को एक साथ लाने का अनूठा विजन था और तीनों विश्वविद्यालयों की आयोजन टीमों के अथक प्रयासों से यह सम्मेलन एक बड़ी सफलता रही है।

संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं को पांच श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रो. (डॉ.) गौरव भार्गव, डीन फैकल्टी वेलफेयर और डॉ. राजीव बेदी, एसोसिएट डीन (आर एंड डी) को उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. सवीना बंसल, प्रोफेसर, एम.आर.एस.पी.टी.यू. डॉ. परवीन बंसल, पूर्व निदेशक, बी.एफ.यू.एच.एस., फरीदकोट; डॉ. सुशील कंसल, प्रोफेसर, यू.आई.सी.ई.टी., पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और डॉ. मंदीप कौर।

इस दौरान सहायक प्रोफैसर (प्रबंधन), आई.के.जी.पी.टी.यू. को सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. मनदीप कौर, उपासना सेठ और आदिश कुमार तथा आई.के.जी.पी.टी.यू. के रिसर्च स्कॉलर (फार्मेसी) साहिल चौधरी को युवा शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मेघा गोयल के शोध पत्र को बेसिक और एप्लाइड साइंसेज में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा नैना, आदिश और डॉ. कपिल गुप्ता के शोध पत्र को प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एम.ए.यू. के संकाय सदस्य डॉ. विनय चमोली ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा तथा सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

‘ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ’ ਵਿਸ਼ੇ ’ਤੇ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ

ਕਪੂਰਥਲਾ, 20 ਅਪ੍ਰੈਲ (ਮਹਾਜਨ)– ‘ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਅਤੀਤ ਤੋਂ ਉੱਜਵਲ ਭਵਿੱਖ ਵੱਲ’ ਵਿਸ਼ੇ ਉਪਰ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਬੀਤੇ ਕੱਲ ਅਕਾਦਮਿਕ ਉੱਤਮਤਾ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨਾਲ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਸੰਪੰਨ ਹੋ ਗਈ। ਇਹ ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ ਆਈ. ਕੇ. ਗੁਜਰਾਲ ਪੰਜਾਬ ਟੈਕਨੀਕਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਕਪੂਰਥਲਾ (ਆਈ. ਕੇ. ਜੀ. ਪੀ. ਟੀ. ਯੂ.) ਮਹਾਰਾਜਾ ਅਗਰਸੇਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ (ਐੱਮ. ਏ. ਯੂ.), ਬੱਦੀ ਅਤੇ ਬਾਬਾ ਮਸਤਨਾਥ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ (ਬੀ. ਐੱਮ. ਯੂ.), ਰੋਹਤਕ ਵੱਲੋਂ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ ’ਤੇ ਕਰਵਾਈ ਗਈ।

ਇਸ ਵਿਚ ਕੁੱਲ ਛੇ ਸਮਾਨਾਂਤਰ ਤਕਨੀਕੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਸੈਸ਼ਨ ਹੋਏ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ (100 ਤੋਂ ਵੱਧ) ਵਿਚ ਅਕਾਦਮਿਕ ਹਸਤੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਇਹ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿਸ਼ੇ, ਬੁਨਿਆਦੀ ਅਤੇ ਉਪਯੋਗੀ ਵਿਗਿਆਨ, ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਅਤੇ ਤਕਨਾਲੋਜੀ, ਕਾਨੂੰਨ, ਫਾਰਮੇਸੀ ਅਤੇ ਜਨਰਲ ਨਾਲੇਜ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਵਿਗਿਆਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਰਹੇ।

ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਸੁਸ਼ੀਲ ਮਿੱਤਲ, ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ, ਆਈ. ਕੇ. ਜੀ. ਪੀ. ਟੀ. ਯੂ. ਨੇ ਸਮਾਪਤੀ ਸੈਸ਼ਨ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਕੀਤੀ।

ਪ੍ਰੋ. ਪੀ. ਐੱਸ. ਵਾਲੀਆ, ਡੀਨ ਅਕਾਦਮਿਕ, ਐੱਮ.ਏ.ਯੂ. ਨੇ ਸਵਾਗਤ ਭਾਸ਼ਣ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਡਾ. ਆਸ਼ਿਮਾ ਮਿੱਤਲ, ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ, ਐੱਮ.ਏ.ਯੂ. ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਤਕਨੀਕੀ ਸੈਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਐੱਮ.ਏ.ਯੂ. ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਆਰ. ਕੇ. ਗੁਪਤਾ ਅਤੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਬੀਐਮਯੂ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਐੱਚ. ਐੱਲ. ਵਰਮਾ ਨੇ ਖੋਜ ਵਿਦਵਾਨਾਂ ਅਤੇ ਪੇਪਰ ਪੇਸ਼ਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀਆਂ ਲਈ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਖੋਜ ਪੱਤਰਾਂ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਅਤੇ ਸੋਚ-ਉਕਸਾਉਣ ਵਾਲੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਅਤੇ ਸੰਤੁਸ਼ਟ ਹਨ।

ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਸੁਸ਼ੀਲ ਮਿੱਤਲ ਨੇ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਨੂੰ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿੰਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ। ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਡਾ. ਐੱਸ. ਕੇ. ਮਿਸ਼ਰਾ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀਆਂ ਸ਼ੁਭਕਾਮਨਾਵਾਂ ਭੇਜੀਆਂ।

ਪ੍ਰੋ. ਮਿੱਤਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਆਰ. ਕੇ. ਗੁਪਤਾ ਦਾ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦੇ ਆਯੋਜਨ ਲਈ ਪੰਜਾਬ, ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਸੀ ਅਤੇ ਤਿੰਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਟੀਮਾਂ ਦੇ ਅਣਥੱਕ ਯਤਨਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਕਾਨਫਰੰਸ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸਫਲਤਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਆਈ. ਕੇ. ਜੀ. ਪੀ. ਟੀ. ਯੂ. ’ਚ ਆਯੋਜਿਤ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦਾ ਦ੍ਰਿਸ਼। (ਚੋਪੜਾ)

ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਉਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿੱਚ ਭਾਸ਼ਣ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਸਮਾਜ ਦੀ ਸੇਵਾ ਹੈ।

ਪ੍ਰੋ. ਮਿੱਤਲ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੇਪਰ ਸੰਪਾਦਿਤ ਕਿਤਾਬਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਖੋਜ ਨਤੀਜਿਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਅਧਿਆਪਨ ਵਿਚ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਜੋ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਤੀਜੇ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕੇ।

ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਅਤੇ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਵਿੱਚ ਪੁਰਸਕਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਗੌਰਵ ਭਾਰਗਵ, ਡੀਨ ਫੈਕਲਟੀ ਵੈਲਫੇਅਰ ਅਤੇ ਡਾ. ਰਾਜੀਵ ਬੇਦੀ, ਐਸੋਸੀਏਟ ਡੀਨ (ਆਰ ਐਂਡ ਡੀ) ਨੂੰ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਡਾ. ਸਵੀਨਾ ਬਾਂਸਲ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਐੱਮ. ਆਰ. ਐੱਸ. ਪੀ. ਟੀ. ਯੂ., ਡਾ. ਪਰਵੀਨ ਬਾਂਸਲ, ਸਾਬਕਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਬੀ. ਐੱਫ. ਯੂ. ਐੱਚ. ਐੱਸ., ਫਰੀਦਕੋਟ; ਡਾ. ਸੁਸ਼ੀਲ ਕਾਂਸਲ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਯੂ. ਆਈ. ਸੀ. ਈ. ਟੀ., ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਡਾ. ਮਨਦੀਪ ਕੌਰ, ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ (ਪ੍ਰਬੰਧਨ), ਆਈ. ਕੇ. ਜੀ. ਪੀ. ਟੀ. ਯੂ. ਨੂੰ ਸਰਵੋਤਮ ਅਕਾਦਮਿਕ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸ਼੍ਰੀ ਲਲਿਤ ਜੈਨ, ਆਈਏਐੱਸ ਨੂੰ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਵੀਰ ਕੌਰ ਅਤੇ ਰਮਨ, ਖੋਜ ਵਿਦਵਾਨ (ਐੱਚ. ਐੱਲ. ਸੀ. ਐੱਸ.) ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਸਟੱਡੀਜ਼ ਵਿਭਾਗ ਤੋਂ ਡਾ. ਮਨਦੀਪ ਕੌਰ, ਉਪਾਸਨਾ ਸੇਠ ਅਤੇ ਆਦਿਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਆਈ. ਕੇ. ਜੀ. ਪੀ. ਟੀ. ਯੂ. ਤੋਂ ਰਿਸਰਚ ਸਕਾਲਰ (ਫਾਰਮੇਸੀ) ਸਾਹਿਲ ਚੌਧਰੀ ਨੂੰ ਯੰਗ ਰਿਸਰਚਰ ਅਵਾਰਡ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਡਾ. ਮੇਘਾ ਗੋਇਲ ਦੇ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਨੂੰ ਬੇਸਿਕ ਅਤੇ ਅਪਲਾਈਡ ਸਾਇੰਸਜ਼ ਵਿਚ ਸਰਵੋਤਮ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਨੈਨਾ, ਆਦਿਸ਼ ਅਤੇ ਡਾ. ਕਪਿਲ ਗੁਪਤਾ ਦੇ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਨੂੰ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿਚ ਸਰਵੋਤਮ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਡਾ. ਵਿਨੇ ਚਮੋਲੀ, ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ, ਐੱਮ. ਏ. ਯੂ. ਨੇ ਧੰਨਵਾਦ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਸਮਾਪਤੀ ਸੈਸ਼ਨ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਗੀਤ ਨਾਲ ਸਮਾਪਤ ਹੋਇਆ।

‘ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ’ ਵਿਸ਼ੇ ’ਤੇ ਕੌਮਾਂਤਰੀ ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ

ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਗਰਣ ਟੀਮ • ਕਪੂਰਥਲਾ

: “ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ : ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਅਤੀਤ ਤੋਂ ਉੱਜਵਲ ਭਵਿੱਖ ਵੱਲ” ਵਿਸ਼ੇ ’ਤੇ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਬੀਤੇ ਕੱਲ੍ਹ ਅਕਾਦਮਿਕ ਉੱਤਮਤਾ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨਾਲ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਸੰਪੰਨ ਹੋ ਗਈ। ਇਹ ਕਾਨਫ਼ਰੰਸ ਆਈ.ਕੇ. ਗੁਜਰਾਲ ਪੰਜਾਬ ਟੈਕਨੀਕਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕਪੂਰਥਲਾ (ਆਈਕੇਜੀ ਪੀਟੀਯੂ), ਮਹਾਰਾਜਾ ਅਗਰਸੇਨ ’ਵਰਸਿਟੀ (ਐੱਮਏਯੂ), ਬੱਦੀ ਅਤੇ ਬਾਬਾ ਮਸਤਨਾਥ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ (ਬੀਐੱਮਯੂ), ਰੋਹਤਕ ਵੱਲੋਂ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ ’ਤੇ ਕਰਵਾਈ ਗਈ। ਇਸ ’ਚ ਕੁੱਲ ਛੇ ਸਮਾਨਾਂਤਰ ਤਕਨੀਕੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਸੈਸ਼ਨ ਹੋਏ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ (100 ਤੋਂ ਵੱਧ) ਵਿਚ ਅਕਾਦਮਿਕ ਹਸਤੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਇਹ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿਸ਼ੇ, ਬੁਨਿਆਦੀ ਤੇ ਉਪਯੋਗੀ ਵਿਗਿਆਨ, ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਅਤੇ ਤਕਨਾਲੋਜੀ, ਕਾਨੂੰਨ, ਫਾਰਮੇਸੀ ਅਤੇ ਜਨਰਲ ਨਾਲੇਜ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਵਿਗਿਆਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਰਹੇ।

ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਸੁਸ਼ੀਲ ਮਿੱਤਲ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ (ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ) ਆਈਕੇਜੀ ਪੀਟੀਯੂ ਨੇ ਸਮਾਪਤੀ ਸੈਸ਼ਨ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਕੀਤੀ। ਪ੍ਰੋ. ਪੀ. ਐਸ.

ਆਈਕੇਜੀ ਪੀਟੀਯੂ ਦੇ ਸਾਂਝੇ ਉੱਦਮ ਨਾਲ ‘ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ’ ਵਿਸ਼ੇ ‘ਤੇ ਕਰਵਾਈ ਕੌਮਾਂਤਰੀ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦੌਰਾਨ ਹਾਜ਼ਰ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਸੁਸ਼ੀਲ ਮਿੱਤਲ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ (ਉਪ ਕੁਲਪਤੀ) ਆਈਕੇਜੀ ਪੀਟੀਯੂ, ਪ੍ਰੋ. ਪੀਐੱਸ ਵਾਲੀਆ ਡੀਨ ਅਕਾਦਮਿਕ ਐੱਮਏਯੂ ਤੇ ਹੋਰ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ। ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਗਰਣ

ਵਾਲੀਆ ਡੀਨ ਅਕਾਦਮਿਕ ਐੱਮਏਯੂ ਨੇ ਸਵਾਗਤ ਭਾਸ਼ਣ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਡਾ. ਆਸ਼ਿਮਾ ਮਿੱਤਲ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ ਐਮ.ਏ.ਯੂ. ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਤਕਨੀਕੀ ਸੈਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਐੱਮਏਯੂ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਆਰ. ਕੇ. ਗੁਪਤਾ ਅਤੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਬੀਐੱਮਯੂ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਐਚ. ਐਲ. ਵਰਮਾ ਨੇ ਖੋਜ ਵਿਦਵਾਨਾਂ ਤੇ ਪੇਪਰ ਪੇਸ਼ਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀਆਂ ਲਈ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਖੋਜ ਪੱਤਰਾਂ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਅਤੇ ਸੋਚ-ਉਕਸਾਉਣ ਵਾਲੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਅਤੇ ਸੰਤੁਸ਼ਟ ਹਨ। ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਸੁਸ਼ੀਲ ਮਿੱਤਲ ਨੇ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਨੂੰ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿੰਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ। ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਡਾ. ਐੱਸਕੇ. ਮਿਸ਼ਰਾ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀਆਂ ਸ਼ੁੱਭ ਕਾਮਨਾਵਾਂ ਭੇਜੀਆਂ।

ਪ੍ਰੋ. ਮਿੱਤਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਆਰ. ਕੇ. ਗੁਪਤਾ ਦਾ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਦੇ ਆਯੋਜਨ ਲਈ ਪੰਜਾਬ, ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ’ਵਰਸਿਟੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਸੀ ਤੇ ਤਿੰਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਟੀਮਾਂ ਦੇ ਅਣਥੱਕ ਯਤਨਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਕਾਨਫਰੰਸ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸਫਲਤਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਇੱਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਉਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿੱਚ ਭਾਸ਼ਣ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਸਮਾਜ ਦੀ ਸੇਵਾ ਹੈ। ਪ੍ਰੋ. ਮਿੱਤਲ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੇਪਰ ਸੰਪਾਦਿਤ ਕਿਤਾਬਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਖੋਜ ਨਤੀਜਿਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਅਧਿਆਪਨ ਵਿੱਚ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਜੋ ਇਸ ਕਾਨਫਰੰਸ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਤੀਜੇ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕੇ।

ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਅਤੇ ਖੋਜਕਰਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਵਿੱਚ ਪੁਰਸਕਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਗੌਰਵ ਭਾਰਗਵ ਡੀਨ ਫੈਕਲਟੀ ਵੈਲਫੇਅਰ ਅਤੇ ਡਾ. ਰਾਜੀਵ ਬੇਦੀ ਐਸੋਸੀਏਟ ਡੀਨ (ਆਰ ਐਂਡ ਡੀ) ਨੂੰ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਡਾ. ਸਵੀਨਾ ਬਾਂਸਲ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਐਮਆਰਐਸਪੀਟੀਯੂ; ਡਾ. ਪਰਵੀਨ ਬਾਂਸਲ, ਸਾਬਕਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਬੀਐਫਯੂਐੱਚਐੱਸ, ਫਰੀਦਕੋਟ; ਡਾ. ਸੁਸ਼ੀਲ ਕਾਂਸਲ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਯੂਆਈਸੀਈਟੀ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਡਾ. ਮਨਦੀਪ ਕੌਰ, ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ (ਪ੍ਰਬੰਧਨ), ਆਈਕੇਜੀਪੀਟੀਯੂ ਨੂੰ ਸਰਵੋਤਮ ਅਕਾਦਮਿਕ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਲਲਿਤ ਜੈਨ, ਆਈਏਐੱਸ ਨੂੰ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਵੀਰ ਕੌਰ ਤੇ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਰਮਨ, ਖੋਜ ਵਿਦਵਾਨ (ਐੱਚਐੱਲਸੀਐੱਸ); ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਸਟੱਡੀਜ਼ ਵਿਭਾਗ ਤੋਂ ਡਾ. ਮਨਦੀਪ ਕੌਰ, ਉਪਾਸਨਾ ਸੇਠ ਅਤੇ ਆਦਿਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਆਈਕੇਜੀ ਪੀਟੀਯੂ ਤੋਂ ਰਿਸਰਚ ਸਕਾਲਰ (ਫਾਰਮੇਸੀ) ਸਾਹਿਲ ਚੌਧਰੀ ਨੂੰ ਯੰਗ ਰਿਸਰਚਰ ਐਵਾਰਡ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਡਾ. ਮੇਘਾ ਗੋਇਲ ਦੇ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਨੂੰ ਬੇਸਿਕ ਅਤੇ ਅਪਲਾਈਡ ਸਾਇੰਸਜ਼ ਵਿੱਚ ਸਰਵੋਤਮ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਨੈਨਾ, ਆਦਿਸ਼ ਅਤੇ ਡਾ. ਕਪਿਲ ਗੁਪਤਾ ਦੇ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਨੂੰ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ ਸਰਵੋਤਮ ਖੋਜ ਪੱਤਰ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਡਾ. ਵਿਨੇ ਚਮੋਲੀ, ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ, ਐੱਮਏਯੂ ਨੇ ਧੰਨਵਾਦ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਸਮਾਪਤੀ ਸੈਸ਼ਨ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਗੀਤ ਨਾਲ ਸਮਾਪਤ ਹੋਇਆ।

भारतीय ज्ञान प्रणाली को समझना बेहद जरूरी : कुलपति

जागरण संवाददाता, कपूरथला: इंद्र कुमार गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी एवं महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बद्दी तथा बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी रोहतक, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से करवाए गए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय ज्ञान प्रणाली : गौरवशाली अतीत से उज्ज्वल भविष्य तक" का समापन हो गया। इस दौरान छह समानांतर तकनीकी सत्रों में बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिससे प्रबंधन, बुनियादी विषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग तथा

सम्मेलन में कुलपति डा . सुशील मित्तल को सम्मानित करते हुए गणमान्य ●जागरण

प्रौद्योगिकी, कानून, फार्मेसी, सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित सम्मेलन के विषयों पर बौद्धिक विचार तथा जुड़ाव हुआ।

प्रो. (डा.) सुशील मित्तल, कुलपति आइकेजी पीटीयू ने मुख्य अतिथि के रूप में समापन सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. पीएस वालिया, डीन अकादमिक, एमएयू ने स्वागत भाषण दिया एवं डा. आशिमा मित्तल, फैकल्टी, एमएयू ने विभिन्न तकनीकी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. (डा.) आरके गुप्ता, कुलपति, एमएयू और प्रो. (डा.) एचएल वर्मा, कुलपति (बीएमयू) ने शोध विद्वानों और पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को उनकी प्रस्तुतियों के लिए बधाई दी। प्रो. (डा.) सुशील मित्तल और रजिस्ट्रार डा. एसके मिश्रा ने इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए तीनों विश्वविद्यालयों को बधाई दी। प्रो. मित्तल ने कहा कि प्रो. (डा.) आरके गुप्ता के पास इस सम्मेलन के आयोजन के लिए पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के तीन विश्वविद्यालयों को एक साथ लाने का अनूठा विजन था।